

Study suggests dip in cotton sowing

VIMUKT DAVE

Ahmedabad, 5 June

Cotton sowing might dip by up to 15 per cent in the coming sowing season, as farmers were not satisfied with the price they got last year, says a study by the department of agricultural economics of Junagadh Agricultural University.

A forecast report was prepared by the university after analysis of market trends, under a project commissioned by the National Centre for Agricultural Economics and Policy Research, an institute established by the Indian Council of Agricultural Research in 1991.

The study suggests the area under cotton across the country increased to 12.65 mil-

lion hectares in 2014-15 from 11.69 mn ha in 2013-14. The crop is estimated to be sown on 10.7 mn ha in 2015-16.

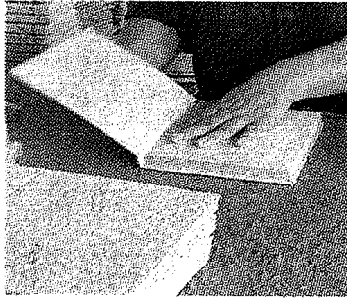
Quoting the latest official estimates, the study mentions that cotton output in India is expected to be 35.3 mn bales (a bale is 170 kg) this year from 35.9 mn last year.

The price of raw cotton (kapas) declined to around ₹ 800 per 20 kg in December 2014 in various markets. It had revived to around ₹ 900 per 20 kg after April 2015, on estimates that output for 2014-15 would be around 35 mn bales. The price is presently ₹900-940 per 20 kg. On an analysis of market trends, JAU has forecast the price of raw cotton from November 2015 to February 2016 in the range of ₹860-960 per 20 kg.

गोबर से बने कागज को प्रोत्साहन

नई दिल्ली। केंद्रीय खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग पर्यावरण संरक्षण और रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लिए गोबर और कूड़े-कचरे से बने कागज के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रहा है।

दिल्ली के ग्रामोद्योग एवं खादी भवन के निदेशक डीएस भाटी ने शुक्रवार को यहां पर्यावरण दिवस के अवसर पर हाथ से बने कागज की प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर बताया कि आयोग ने गाय, भैंस और हाथी के गोबर से कागज बनाने की तकनीक विकसित की है। आयोग ने जयपुर और करनाल के केंद्र में कूड़े कचरे से कागज बनाने को प्रोत्साहन दिया है। ये कागज स्वदेशी तकनीक से हाथ से बनाया जाता है। प्रदर्शनी में हाथ से बने कागज की वस्तुओं का प्रदर्शित किया गया है।



■ गाय, भैंस और हाथी के गोबर से कागज बनाने की तकनीक विकसित की गई

कूड़ा कचरे से कागज बनाने से पर्यावरण का संरक्षण तो होगा ही, साथ ही लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध कराया जा सकता है। ये कागज खराब और इस्तेमाल किए गए कागज, पुरानी पुस्तकों और कपड़ों, कपास के अपशिष्ट और अन्य जैविक कचरे से बनाया जा सकता है। इसके अलावा सभी बड़ी गौशालाओं में गोबर से कागज बनाने का संयंत्र लगाने पर विचार किया जा रहा है। इस कागज से लैटरपेड, जिल्द, फोल्डर, फाइल, डिब्बे और लिफाफे बनाए जा रहे हैं। हाथ से बने कागज की मांग में लगातार इजाफा हो रहा है और कई बड़े संस्थान इसमें रुचि दिखा रहे हैं। यह प्रदर्शनी पांच दिन तक चलेगी। (वार्ता)

प्रणब को उम्मीद, विस्तारित सुरक्षा परिषद में भारत शामिल होगा

विशेष विमान से (भाषा)। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने उम्मीद जताई कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार लागू होने के बाद विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का नाम शामिल होगा।

स्वीडन और बेलारूस की पांच दिन की यात्रा के बाद लौट रहे राष्ट्रपति ने विशेष विमान में संवाददाताओं से कहा कि दोनों देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थाई सीट पाने के भारत के दावे के समर्थक हैं। उन्होंने कहा 'दोनों देश (स्वीडन और बेलारूस) अपना (समर्थन) दोहरा चुके हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र में सुधार की एक प्रक्रिया है...और जब सुरक्षा परिषद में विस्तार होगा, हम उम्मीद कर सकते हैं कि भारत के मामले पर प्रमुखता से विचार किया जाएगा।' प्रणब ने यह भी कहा कि विभिन्न देश अपनी इच्छा व्यक्त कर चुके हैं कि भारत को सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता मिलनी चाहिए। प्रणब ने दोनों देशों में आतंकवाद से उत्पन्न खतरे को रेखांकित किया। अपने भाषणों के बारे में संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए



■ स्वीडन और बेलारूस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सीट पाने के भारतीय दावे के समर्थक हैं

प्रणब ने कहा 'हमने आतंकवाद के बारे में उल्लेख किया है, लेकिन हर देश की अपनी अवधारणा होती है और संयुक्त राष्ट्र में जब इन मुद्दों पर चर्चा होती है, तो वे अपने विचार व्यक्त करते हैं।'

उन्होंने कहा 'लेकिन इस बुराई से लड़ने की अंतरराष्ट्रीय समुदाय की समग्र इच्छा है। तौर तरीकों और अन्य चीजों में अंतर हो सकता है, लेकिन कोई भी देश खुले तौर पर आतंकवाद का समर्थन नहीं करता।' दोनों देशों में अपने विचार विमर्श को सफल करार देते हुए मुखर्जी ने कहा कि राजकीय

यात्राएं इन दोनों देशों के साथ हमारी भागीदारी को और मजबूत बनाने के नए प्रयासों का प्रतिबिंब हैं।

उन्होंने कहा 'मैंने इस अवसर का इस्तेमाल भारत में आर्थिक स्थिति और सरकार की नीति पहलों के बारे में दोनों नेतृत्वों को अवगत कराने के लिए किया।' भारत और स्वीडन ने छह अंतर सरकारी समझौतों पर हस्ताक्षर किए जिनमें शहरी विकास, मध्यम एवं लघु उद्योग, धुवीय अनुसंधान, असेन्य परमाणु अनुसंधान और औषधि क्षेत्रों में सहयोग शामिल हैं। दोनों देशों के शैक्षिक संस्थानों, थिंक टैंकों और चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के बीच 17 सहमति पत्रों पर भी दस्तखत हुए। बेलारूस में वस्त्र उद्योग, मानकीकरण, पूंजी बाजारों और प्रसारण क्षेत्र में सहयोग के लिए पांच समझौतों और सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर हुए। भारत-बेलारूस सहयोग के लिए केंद्रित और मौलिक प्रारूप पर भी सहमति हुई जो आगामी दिनों में गहन विचार विमर्श के लिए विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान करता है।

Rahul to address jute mill workers

New Delhi, June 5



Congress vice-president Rahul Gandhi will visit West Bengal tomorrow and address jute mill workers. He will also address party workers at Netaji Indoor Stadium in Kolkata. His

interaction with jute mill workers comes against the backdrop of a number of jute factories in the State closing down. "Rahul will also address the meeting of home buyers at port trust guest house at Kolkata," said a Congress release. The trip comes on a day when CM Mamata Banerjee would join PM Narendra Modi in Bangladesh. IANS

Cheat sheet to set trend during summer

RUMMAGING YOUR closet to pick a perfect outfit to conquer the simmering sun before stepping out in summer? Ditch the usual denims and tops for long and flowing maxi dresses or crop tops to make a style statement and beat the summer heat with style.

If a dull umbrella or a scarf to shield yourself from the sun bores you, then opt for trendy accessories like chic hats and funky glasses.

Experts lists some great ideas to stack in your cupboard and be summer ready:

The summery maxi dress: Something long, flowing and breezy in form of a long maxi dress is a perfect wear this summer. Opt for bright colours with floral prints to strut away on the streets like a diva. The dress will



help you make a delicate yet beautiful style statement.

Hats are in: Covering up with a scarf to protect your hair and skin from sun damage is a passe this season. Go the hat way this time. From retro to peppy, pick any one that defines your style. You can also choose a beach hat with a denim flower to get the beach vibe.

Funky shades: From retro to quirky, an extensive range of eyewear have flooded the mar-

ket this season. So what are you waiting for? Pick any one and flaunt it to the world. If you want to add more fun, then a yellow party eye glass is a cool and trendy accessory for indoor or outdoor parties.

The must-have bag: A woman without a bag is a rare sight. It is not just an accessory, but a haven for all the essentials -- be it the sunscreen, face wash, face wipes or perfume. Go for a polypropylene bag with abstract prints which can be teamed up with everything pretty.

Crop tops: Crop tops is one trend which is still making news by setting a style statement. They are chic, comfortable and one can easily team up with anything be it denims, shorts or skirts.

IAN S



Limited buying holds cotton flat

Rajkot, June 5

Cotton traded flat on limited buying by domestic mills. *Kapas* or raw cotton prices declined on lower demand from ginneries, though. Traders said that domestic mills were buying in line with their need. On the other side, demand from ginneries, too, declined which pressurised *kapas* price on Friday. Gujarat Sankar-6 cotton quoted at ₹35,000-200 for a candy of 356 kg. About 8,000 bales (of 170 kg) arrived in Gujarat and 15,000 bales arrived across the country. *Kapas* traded down by ₹5-10 to ₹900-930 for a *maund* of 20 kg and gin delivery *kapas* went for ₹930-945. OUR CORRESPONDENT